फरीदाबाद
मजदूर समाचार
अनुभवों तथा विचारों के आदान.प्रदान के जरियों में एक जरिया

'मजदूर समाचार' की कुछ सामग्री अंग्रेजी में इन्टरनेट पर है। देखें–
< http://faridabad majdoorsamachar.blogspot.in >

डाक पता : मजदूर लाईब्रेरी, आटोपिन झुग्गी,एन.आई.टी. फरीदाबाद – 121001

नई सीरीज नम्बर 341 1/– **नवम्बर 2016**

'' मैंने कर दिया समय को रिजैक्ट। ''

मिस्ड वीडियो कॉल।

हैलो ! कैसे हैं ?

अभी काम से फरार हूँ।

फरार ?

मन लगता है बस घूमने .फिरने में, नये .नये लोगों से बातचीत करने में, पुराने दोस्तों के साथ समय बिताने में। खाना बनाने में मन है।

यार, फरार को थोड़ा खुल कर बता।

फरार मानी टाइम का रिजैक्शन ।जैसे सिलाई कारीगरों ने कुछ महीने पहले ही पैरों को छोटा. बड़ा करके बहुत पैन्टों को रिजैक्ट करवाया।

हाँ, रिजैक्शन तो चारों तरफ खबर में है। अभी सैमसंग ने अपने नये मॉडल के सब पीस वापस ले लिये।

हाल ही में कुछ बड़ी कार कम्पनियों ने भी गाड़ियाँ वापस ली हैं।

साथियों, यह तो है सब प्रोडक्ट रिजैक्शन। मैं संकेत कर रहा हूँ TIME का, समय का रिजैक्शन।

पगला गया है क्या ?

सुन। आवारा कौन होता है ? आवारा से लोग डरते क्यों हैं ? और यह भी सोच, आवारा सब के लिये कैसे गा देता है ?

हाँ, यार ।फिल्मों में तो आवारा, वैश्या, और मृत्यु से जूझते इन्सान सब के लिये गा देते हैं।

यार, सच बात है क्या ?

चैक कर लियो। और फिर पूछियो अपने आप से।

अच्छा, तू यह कह रहा है कि फरार किसी जगह से होना मतलब है समय की पाबन्दी से बाहर होना।

समय तो समय होता है। अब ये समय की पाबन्दी का क्या अर्थ हुआ ?

समय एक प्रोडक्ट है। समय को भी बनाया जाता है। किसी प्रोडक्ट की तरह समय को भी खरीदा जाता है, बेचा जाता है, उत्पादक बनाया जाता है, और घेरे में रखा जाता है। समय को हासिल करने के लिये मेहनत करनी पड़ती है, जीवन को विभाजित करना पड़ता है, लोगों को विभाजित करना पड़ता है।

तो आवारा फरार है समय से ।इसलिये डर पैदा करता है ।एक प्रभाव पैदा करता है जिसमें समय की गति और उसकी जो उपलब्धियाँ हैं वो धुँधली हो जाती हैं।

अच्छा सुन। इतनी बड़ी बात भी नहीं है। हम जब कहते हैं कि वहाँ इतना अच्छा लगा कि समय का पता ही नहीं लगा, तो हम यहाँ पर समय को रिजैक्ट करते हुये ही जीवन की क्वालिटी, गुणवत्ता को उभार रहे हैं।

अच्छा ! तू यह कह रहा है कि जीवन का हर पल ऐसा हो जिसमें उसकी गुणवत्ता, क्वालिटी समय के फेर में ना फँसे ?

तो, तू यह भी कह रहा है क्या कि कल .आज. कल का फेर भी टूट जाये ?

हाँ, कुछ हद तक कह रहा हूँ कि जीवन की क्वालिटी के आभास को अपने बीच में पूरी तरह तब जी पायेंगे जब समय को खारिज करेंगे।

जब तू मस्ती से खाना बनायेगा तब तू समय को तो भूल ही जायेगा परन्तु हमें कच्चा खाना मत खिला देना !

बन्धु , जीवन तो यही रस है।

फरीदाबाद में ओरियन्ट इलेक्ट्रिक के फैन प्लान्ट में पिछले वर्ष दिवाली के समय टी-ब्रेक में 300 टेम्परेरी वरकर एक स्थान पर बैठ गये। टी-ब्रेक की समाप्ति पर यह मजदूर उठे नहीं तब सुपरवाइजर, प्रोडक्शन मैनेजर, जनरल मैनेजर वहाँ पहुँचे। इन मजदूरों को कम्पनी बोनस नहीं देती थी। साहबों ने बोनस देने की घोषणा की तब इन मजदूरों ने पँखे की लाइनें आरम्भ की। ओरियन्ट फैन में टेम्परेरी वरकर ओवर टाइम के पैसे भी दुगुनी दर से लेते हैं। ओरियन्ट इलेक्ट्रिक के ही बल्ब प्लान्ट में टेम्परेरी वरकरों को कम्पनी बोनस नहीं देती और उन्हें ओवर टाइम के पैसे भी सिंगल रेट से देती है।

जहाँ बात लेने की रही

बोनी रबड़ (9ई सैक्टर-6, फरीदाबाद स्थित) फैक्ट्री में 28 परमानेन्ट वरकरों को 17 प्रतिशत बोनस, 17-18 हजार रुपये। **बोनी पोलीमर्स** (37ए सैक्टर-6, फरीदाबाद स्थित) फैक्ट्री में 180 परमानेन्ट वरकरों को 10 प्रतिशत बोनस, 9200-10900 रुपये। **प्राइम पोलिमिक्स-बोनी पोलीमर्स** (132 सैक्टर-24, फरीदाबाद स्थित) फैक्ट्री में 30 परमानेन्ट मजदूरों को बोनस में 5800-6200 रुपये और 600 टेम्परेरी वरकरों को बोनस नहीं।

जगदीश स्टोर के डी-2/1 ओखला फेज-2, दिल्ली स्थित गोदाम में कार्यरत 50 वरकरों ने 24-26-28 हजार रुपये बोनस में लिये।

बेलसोनिका ऑटो कम्पोनेन्ट्स (मारुति सुजुकी परिसर, सैक्टर-8, आई एम टी मानेसर स्थित) फैक्ट्री में परमानेन्ट और टेम्परेरी वरकरों ने बराबर बोनस लिया, 12 प्रतिशत (लगभग 12 हजार रुपये)।

कादिमी टूल्स (118 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव स्थित) फैक्ट्री में मजदूरों ने बोनस में 19 हजार रुपये लिये।

सेज मैटल (127 सैक्टर-24, फरीदाबाद स्थित) फैक्ट्री में लोहा, ताम्बा, पीतल की निर्यात के लिये ढलाई करते 25 परमानेन्ट वरकरों ने बोनस में 22 से 27 हजार रुपये लिये और 250 टेम्परेरी वरकरों को बोनस में 9-10 हजार रुपये।

प्यूरोमैटिक फिल्टर (12 डी एस आई डी सी शेड, ओखला फेज-2, दिल्ली स्थित) छोटी फैक्ट्री में मजदूरों ने बोनस में 16800 रुपये लिये।

कम्पनी घाटे में है का बोनस

बोनस कानून अनुसार कम्पनी घाटे में है तब बोनस एक महीने की तनखा के बराबर होगा।

गौरव इन्टरनेशनल (711 उद्योग विहार फेज-3, गुड़गाँव स्थित) फैक्ट्री में ऋचा-गौरव समूह की अन्य फैक्ट्रियों की ही तरह बोनस में एक महीने तनखा दी। **व्हर्लपूल फ्रिज** (27-28 इन्डस्ट्रीयल एरिया, फरीदाबाद स्थित) फैक्ट्री में टेम्परेरी वरकरों को बोनस में एक महीने की तनखा दी। **कोका कोला** (उद्योग विहार, गुड़गाँव स्थित) फैक्ट्री में बोनस में एक महीने की तनखा दी। **वी जी कौशिको** (126 सैक्टर-24, फरीदाबाद स्थित) फैक्ट्री में बोनस में एक महीने की तनखा दी। **सिग्मा मोल्डिंग** (149-151 सैक्टर-5 तथा 16 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर स्थित) फैक्ट्रियों में एक महीने की तनखा से भी कम, 7000 रुपये बोनस में दिये। **रादनिक एक्सपोर्ट** (215 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव स्थित) फैक्ट्री में बोनस में एक महीने की तनखा दी।

बहुत–ही कमजोर कम्पनियाँ

फरीदाबाद बोल्ट टाइट (77 सैक्टर-6, फरीदाबाद स्थित) फैक्ट्री में 12 घण्टे रोज पर 26 दिन के 12000 रुपये, यानी तनखा 6000 रुपये। **आलोक प्रिन्टर्स** (सी-57/2 ओखला फेज-2, दिल्ली स्थित) कम्पनी में हैल्परों की ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं, दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन से भी कम तनखा, 6000 रुपये। **गंगा ओवरसीज** (647-48 उद्योग विहार फेज-5, गुड़गाँव स्थित) फैक्ट्री में कार्यरत 100 मजदूरों की ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं, हैल्परों की तनखा 7200 रुपये। **किरण ऑटो कम्पोनेन्ट्स** (210 सैक्टर-7, आई एम टी मानेसर स्थित) फैक्ट्री में हैल्परों की ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं, तनखा 6000 रुपये। **इंडिया फोर्ज** (28 सैक्टर-6, फरीदाबाद स्थित) फैक्ट्री में दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की, ओवर टाइम सिंगल रेट से, हैल्परों की तनखा 6500 रुपये।

जहाँ बात देने की रही

भैंरो इम्ब्राइड्री (सी-14 ओखला फेज-1, दिल्ली स्थित) फैक्ट्री में कार्यरत 500 मजदूरों को बोनस में 500-1500-2000 रुपये दिये।

ईको ऑटो (20 सैक्टर-6, फरीदाबाद स्थित) फैक्ट्री में एक भी मजदूर परमानेन्ट नहीं है, टेम्परेरी वरकरों को बोनस नहीं दिया।

गुप्ता एग्जिम (पृथला-छपरौला रोड़, पलवल स्थित) फैक्ट्री में उत्पादन कार्य करते सब वरकर कम्पनी ने स्वयं रखे हैं। दो शिफ्ट हैं 12-12 घण्टे की, ओवर टाइम के पैसे दुगुनी दर की बजाय सिंगल रेट से। बोनस 29 अक्टूबर को दिया : जिनका वर्ष पूरा नहीं हुआ था उन्हें 500 रुपये, एक से दो वर्ष से कार्यरत को 800 रुपये, दो वर्ष से अधिक समय से कार्यरत को 1200 रुपये।

पर्ल ग्लोबल (274 उद्योग विहार फेज-2, गुड़गाँव स्थित) फैक्ट्री में कार्यरत 500 मजदूरों को बोनस नहीं दिया।

सन्धार ऑटो कम्पोनेन्ट्स (24-25 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर स्थित) फैक्ट्री में दो-तीन परमानेन्ट हैं, वो भी डाई सैटर, सुपरवाइजर और उन्हें बोनस दिया। दो सौ टेम्परेरी वरकर को बोनस नहीं दिया।

शिवालिक प्रिन्ट्स (39 सैक्टर-6, फरीदाबाद स्थित) फैक्ट्री में 190 निटिंग मशीन ऑपरेटरों को बोनस में 7500 रुपये जबकि 100 हैल्परों, 20 कॉलर बनाने वालों, 15 गोदाम वरकरों को 1100 रुपये दिये। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से।

प्रिन्टलैण्ड (बी-53 ओखला फेज-1, दिल्ली स्थित) कम्पनी ने पुराने वरकरों को 3100 रुपये और नयों को 1500 रुपये बोनस में दिये। ड्युटी 12 घण्टे की, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से।

कलमकारी (383 उद्योग विहार फेज-2, गुड़गाँव स्थित) फैक्ट्री में कार्यरत 400 मजदूरों को बोनस नहीं दिया।

बैक्सटर (183 सैक्टर-5, आई एम टी मानेसर स्थित) दवाई फैक्ट्री में प्रोडक्शन में 2014 में एक भी टेम्परेरी वरकर नहीं था पर अब परमानेन्ट वरकरों से ज्यादा टेम्परेरी वरकर उत्पादन में हो गये हैं। अगल-बगल में एक जैसा कार्य करते परमानेन्ट और टेम्परेरी की तनखा की दुगुनी/आधी वाली स्थिति है। इधर कम्पनी ने दिवाली पर परमानेन्ट को 21 हजार रुपये बोनस और उपहार दिया। टेम्परेरी वरकरों को उपहार नहीं दिया।

होप इन्टरनेशनल (आर जैड-2823, लेन 32, तुगलकाबाद एक्सटैन्शन, दिल्ली स्थित) फैक्ट्री में साहब घाटा है बोले और बोनस नहीं दिया।

लोगवैल फोर्ज (116 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव स्थित) फैक्ट्री में हैल्परों को बोनस नहीं दिया।

ए जी इन्डस्ट्रीज (8 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर स्थित) फैक्ट्री में मजदूरों को बोनस नहीं दिया।

सान इन्टरनेशनल (203 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव स्थित) फैक्ट्री में बोनस नहीं दिया।

मेगा मैटल (51 सैक्टर-5, आई एम टी मानेसर स्थित) फैक्ट्री में 20 परमानेन्ट मजदूरों को बोनस दिया और 500 टेम्परेरी वरकरों को नहीं दिया। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से।

बी सी एच इलेक्ट्रिक (20/4 मथुरा रोड़, फरीदाबाद स्थित) फैक्ट्री में परमानेन्ट मजदूरों को बोनस में 31-32 हजार रुपये तथा उपहार में लन्च बॉक्स। कटलर हैमर फैक्ट्री में कार्यरत 1000-1200 टेम्परेरी वरकरों को बोनस नहीं दिया, उपहार नहीं दिया।

केनमोर विकास (मथुरा रोड़, फरीदाबाद स्थित) फैक्ट्री में कार्यरत लगभग 1000 टेम्परेरी वरकरों को बोनस नहीं दिया।

फेर बिचौलियों का

★ **सोलर प्रिन्टिंग प्रैस** (डी-10/7 ओखला फेज-2, दिल्ली स्थित) कम्पनी नोएडा गई। कुछ वरकर नोएडा गये और कुछ का एक यूनियन नेता ने जुलाई में फटाफट हिसाब दिलवा दिया। ऐसे में यहाँ का हिसाब और नोएडा के वास्ते नये ज्वाइनिंग लैटर के लिये 250-300 मजदूर उस यूनियन लीडर के फेर में पड़ गये। अगस्त में यूनियन वाले ने प्रत्येक वरकर से 1300-1300 रुपये लिये, कुछ ने 2000-3000 रुपये दिये, और जो हिसाब दिलवायेगा उसमें से दस प्रतिशत तो यूनियन लीडर ने लेना ही लेना है। श्रम विभाग, पुष्पा भवन, पुष्प विहार में तारीखें पड़ने लगी। अन्य फैक्ट्रियों के वरकरों के संग दिल्ली के श्रम आयुक्त कार्यालय पर धरना देने के लिये यूनियन लीडर दो बार बस से सोलर प्रिन्टिंग प्रैस वरकरों को भी ले जा चुका है। हर बार हर एक से बस के किराये के तौर पर 100-100 रुपये लिये हैं। नवम्बर-आरम्भ तक जुलाई में किये काम के पैसे भी मजदूरों को नहीं मिले हैं। तारीखें पड़ना जारी है। यूनियन लीडर वरकरों को बोलने नहीं देता और कोई वरकर कुछ पूछता है तो वह कहता है कि अपनी फाइल ले जाओ! बिचौलिये के फेर में बुरी तरह फँस गये हैं।

★ **हाईटेक गियर** (25/4 इन्डस्ट्रीयल एरिया, फरीदाबाद स्थित) फैक्ट्री में 2011 तक सब वरकर कम्पनी ने स्वयं रखे थे। मजदूर एक यूनियन के फेर में पड़े। झण्डा गाड़ने, चण्डीगढ में खर्चे के नाम पर 98 मजदूरों ने 8-9 महीने प्रति वरकर 100-100 रुपये यूनियन को दिये। कम्पनी से यूनियन लीडर पैसे ले गये। आज एक भी परमानेन्ट मजदूर यहाँ नहीं है, सब वरकर एक ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे हैं।

बढ़ती असुरक्षा कम्पनियों की

(तीस वर्ष पहले फैक्ट्रियों पर पूर्व फौजी आमतौर पर सेक्युरिटी गार्ड होते थे। गार्डों की तनखा प्रोडक्शन करते मजदूरों से ज्यादा होती थी। इन बीस वर्षों में बड़ी-छोटी फैक्ट्रियों पर सेक्युरिटी गार्ड आमतौर पर ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे जा रहे हैं और गार्डों की तनखा प्रोडक्शन में टेम्परेरी वरकरों से भी कम है। यह कम्पनियों की बढती कमजोरी की एक अभिव्यक्ति है जो कम्पनियों की असुरक्षा को बढा रही है।)

★**एफ डी आई सी सेक्युरिटी** (एक्स-38 ओखला फेज-2, दिल्ली में कार्यालय वाली) कम्पनी करीब एक हजार गार्ड सप्लाई करती है। गार्डों की 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट। साप्ताहिक अवकाश नहीं। ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं। तनखा देरी से, सितम्बर की 20 अक्टूबर को दी। प्रतिदिन 12 घण्टे ड्युटी पर 30-31 दिन के 9000 रुपये।

★**के एस जे सेक्युरिटी** (कार्यालय कापसहेड़ा, दिल्ली में) कम्पनी ने मैट्रो कन्सट्रक्शन में 200 गार्ड सप्लाई किये हैं। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की। साप्ताहिक अवकाश नहीं। तनखा देरी से — सितम्बर की 26 अक्टूबर को दी। बोनस नहीं दिया। ई एस आई तथा पी एफ राशि काट कर, प्रतिदिन 12 घण्टे ड्युटी पर 30-31 दिन के गार्ड को 9500 रुपये।

जी 4 एस (ग्रुप फोर सेक्युरिटी) ने दिल्ली में सप्लाई किये गार्डों में किसी गार्ड को 2600, किसी को 3500, किसी को 7000, किसी गार्ड को 9000 रुपये बोनस में दिये। एक ही स्थान पर 10 गार्ड हैं तो उनमें भी यह फर्क। जबकि, ग्रुप फोर कम्पनी ने कहा था कि पिछले वर्ष के बोनस में से बकाया 3500 रुपये और इस वर्ष के 7000 रुपये करके, दिवाली पर 10500 रुपये देंगे। अब गार्डों के पूछने पर ग्रुप फोर कम्पनी कहती कि क्लायन्ट देगा वहीं देंगे। लगता है हर क्लायन्ट ने हर गार्ड के लिये ग्रुप फोर को बोनस की अलग राशि दी है।

साझेदारी

★ मजदूर समाचार की 15-16-17 हजार प्रतियाँ छापते हैं। आई एम टी मानेसर, उद्योग विहार गुड़गाँव, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फरीदाबाद में मजदूर समाचार का वितरण हर महीने होता है। दिल्ली के इर्द-गिर्द के औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूर समाचार की बीस हजार प्रतियाँ प्रतिमाह आवश्यक लगती हैं। बाँटने में अधिक लोगों की साझेदारी के बिना यह नहीं हो सकेगा। सहकर्मियों-पड़ोसियों-मित्रों-साथियों को देने के लिये 10-20-50 प्रतियाँ हर महीने लीजिये और मजदूर समाचार के वितरण में साझेदार बनिये।

★ मजदूर समाचार के वितरण के दौरान फुरसत से बातचीत मुश्किल रहती है। इसलिये मिलने-बातचीत के लिये पहले ही सूचना देने का सिलसिला आरम्भ किया है। चाहें तो अपनी बातें लिख कर ला सकते हैं, चाहें तो समय निकाल कर बात कर सकते हैं, चाहें तो दोनों कर सकते हैं।

— वीरवार, 1 दिसम्बर को सुबह 6 बजे से 9½ तक आई एम टी मानेसर में सैक्टर-3 में बिजली सब-स्टेशन के पास मिलेंगे। खोह गाँव की तरफ से आई एम टी में प्रवेश करते ही यह स्थान है। जे एन एस फैक्ट्री पर कट वाला रोड़ वहाँ गया है।

— उद्योग विहार, गुड़गाँव में फेज -1 में पीर बाबा रोड़ पर वोडाफोन बिल्डिंग के पास बुधवार, 30 नवम्बर को सुबह 7 से 10 बजे तक बातचीत के लिये रहेंगे। यह जगह पेड़ के नीचे चाय की दुकान के सामने है।

— शुक्रवार, 2 दिसम्बर को सुबह 7 से 10 बजे तक चर्चा के लिये ओखला-सरिता विहार रेलवे क्रॉसिंग (साइडिंग) पर उपलब्ध रहेंगे।

★ फरीदाबाद में नवम्बर में हर रविवार को मिलेंगे। सुबह 10 से देर साँय तक अपनी सुविधा अनुसार आप आ सकते हैं। फरीदाबाद में बाटा चौक से थर्मल पावर हाउस होते हुए रास्ता है। ऑटोपिन झुग्गियाँ पाँच-सात मिनट की पैदल दूरी पर हैं।

फोन नम्बर : 0129-6567014

व्हाट्सएप के लिये नम्बर : 9643246782

ई-मेल < majdoorsamachartalmel@gmail.com >

जय ऑटो में जय

जे एन एस इन्सट्रुमेन्ट्स की दो हजार महिला मजदूरों ने जनवरी 2014 में दो दिन फैक्ट्री में प्रवेश नहीं किया था। फिर समूह की फैक्ट्रियों के अलग-अलग गेट बनाये ही थे कि जू शुन (जय हुसैन) की 850 महिला और 300 पुरुष मजदूरों ने फैक्ट्री गेट के बाहर 12 दिन-रात बैठ कर पूरे आई एम टी में हलचलें बढा दी थी।

अब बातें समूह की जय ऑटो फैक्ट्री की। प्लॉट 4 सैक्टर-3 में ही स्थित जय ऑटो में 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में 200 टेम्परेरी वरकर शीट मैटल का काम करते हैं। यहाँ स्टाफ के लोग ही परमानेन्ट हैं। ओवर टाइम 4 घण्टे का और 45 तथा 48 रुपये प्रति घण्टा। अगल-बगल में समूह की फैक्ट्रियों में 58 तथा 61 रुपये। (वैसे हैल्पर के लिये भी दुगुनी दर से ओवर टाइम 78 रुपये प्रति घण्टा बनता है।) इधर जय ऑटो मैनेजमेन्ट कह रही है कि 58 तथा 61 रुपये कर देंगे पर 4 की बजाय साढे तीन घण्टे प्रतिदिन का देंगे।

पावर प्रैसों पर हाथ कटने पर मैनेजमेन्ट एक्सीडेन्ट रिपोर्ट नहीं भरती और कोई आर्थिक सहायता नहीं देती। मजदूर के बीमार होने पर भी कम्पनी कोई सहायता नहीं करती।

वरकर आपस में पैसे एकत्र कर घायल मजदूर को देते हैं। कोई बीमार पड़ता तब उसे सहकर्मी देखने जाते हैं। जो आवश्यकतायें होती हैं उन्हें पूरी करने के लिये मिल कर प्रयास करते हैं।

आज कोई किसी की सुनने वाला नहीं है की बातें खूब फैली हैं पर जय ऑटो फैक्ट्री वरकर एक-दूसरे की सुनते हैं, खूब सुनते हैं।

मिल कर स्वयं कदम उठाना

✶ डी-18 ओखला फेज-1, दिल्ली स्थित तारा मैडम की फैक्ट्री 6 महीने से खुली है। बोनस नहीं बनता। दिवाली के लिये 29 अक्टूबर को मजदूरों ने खर्चा माँगा। इस पर इन्चार्ज 4 वरकरों को ले गया और उनका हिसाब करने को कहा। सब कारीगरों ने मशीनें बन्द कर दी, 400 मजदूरों ने काम बन्द कर दिया। दो घण्टे तक उत्पादन बन्द रहा तब उन 4 मजदूरों को वापस ड्युटी पर लिया और वरकरों को 500-1000 रुपये खर्चा दिया।

✶ **मैक्स शॉप** (10 व 27 सैक्टर-6, आई एम टी मानेसर स्थित) फैक्ट्री में मजदूरों ने कोई प्रधान नहीं बनाया है, सब वरकर मिल कर तय करते हैं। दो शिफ्ट हैं 12-12 घण्टे की, पूरा उत्पादन निर्यात होता है, प्रोडक्शन के लिये बहुत दबाव। और, कम्पनी 100 घण्टे ओवर टाइम को पे-स्लिप में 50 घण्टे दर्शा कर भुगतान दुगुनी दर से दिखाती है! बोनस और 29 की रात छुट्टी के लिये 28 अक्टूबर को नाइट शिफ्ट में मजदूरों ने काम बन्द कर दिया। साहब बोले : अभी पैसे की तंगी है, शिपमेन्ट अरजेन्ट है, बोनस नवम्बर में देंगे, बीस प्रतिशत देंगे, बोनस में 21,500 रुपये देंगे। और 29 अक्टूबर को नाइट शिफ्ट नहीं होगी। दो घण्टे बन्द रखने के बाद मजदूरों ने काम आरम्भ कर दिया।

✶ **सरगम** (210 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव स्थित) फैक्ट्री में काम नहीं है कह कर 8 अक्टूबर को शिफ्ट समाप्ति के समय, साँय 5½ बजे 27 मजदूरों का ब्रेक कर दिया। किये काम के पैसे देने की बात ही नहीं। ऐसे में मजदूर कहीं शिकायत करने नहीं गये, किसी नेता के पास नहीं गये। निकाले गये वरकर 13 अक्टूबर को फैक्ट्री गेट पर एकत्र हुये। इससे दबाव में आई मैनेजमेन्ट ने तत्काल मजदूरों को किये काम के पैसे दिये।

✶ **राजषी स्टीयरिंग** (3 सैक्टर-27 सी, फरीदाबाद स्थित) फैक्ट्री में मैनेजमेन्ट ने 15 अक्टूबर को ओवर टाइम बन्द कर दिया। फिर 28 अक्टूबर को मैनेजमेन्ट बोली कि रोज दो घण्टे ओवर टाइम चालू करो। वरकरों ने मना कर दिया। परमानेन्ट और टेम्परेरी मजदूरों में से कोई भी ओवर टाइम के लिये नहीं रुका। कम्पनी 29 अक्टूबर को 7000 रुपये बोनस देने लगी तो फिर परमानेन्ट व टेम्परेरी वरकरों में से किसी भी मजदूर ने पैसे नहीं लिये।

✶ **सरवेल** (डी-6/1 ओखला फेज-2, दिल्ली स्थित) फैक्ट्री में वरकर बोले कि बोनस दिवाली से पहले दो। इस पर कम्पनी बोली कि बोनस दिवाली पर देंगे। मजदूरों ने 14 अक्टूबर को मशीनें बन्द कर दी। मशीनें 15 और 16 अक्टूबर को भी बन्द रखी तब कम्पनी ने 17 अक्टूर को 17-18 हजार रुपये बोनस में दिये।

✶ **नपीनो ऑटो एण्ड इलेक्ट्रोनिक्स** (7 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर स्थित) फैक्ट्री में यूनियन के सहयोग से सब 140 पुराने टेम्परेरी वरकरों को निकाल चुकी मैनेजमेन्ट ने 28 अक्टूबर को ए-शिफ्ट छूटने के समय परमानेन्ट मजदूरों को दिवाली का उपहार दिया पर टेम्परेरी वरकरों को उपहार नहीं दिया। बाहर निकल कर टेम्परेरी वरकर गेट पर एकत्र हो गये और फिर वापस फैक्ट्री के अन्दर घुस गये। यह सब दो घण्टे चला। रात शिफ्ट वाले टेम्परेरी वरकर 29 अक्टूबर को सुबह फैक्ट्री से निकले तब कम्पनी ने उन्हें उपहार में चादरें दी।

✶ **क्रियेटिव इम्पैक्स** (सी-55/2 ओखला फेज-2, दिल्ली स्थित) फैक्ट्री में मैनेजमेन्ट बोली कि बोनस दिवाली बाद देंगे। करीब 350 वरकरों ने 27 अक्टूबर को फैक्ट्री में काम बन्द कर दिया। उत्पादन बन्द हुये एक घण्टा हो गया तब साहब बोले कि बोनस 28 अक्टूबर को देंगे।

फण्ड का फण्डा

एलटैक्स (887 उद्योग विहार फेज-5, गुड़गाँव स्थित) फैक्ट्री पर **प्रिमियर सेक्युरिटी** कम्पनी के गार्ड के तौर पर पाँच वर्ष ड्युटी की। तनखा से हर माह पी एफ की राशि काटी जाती थी। भविष्य निधि कार्यालय में मात्र 3448 और 1033 रुपये, कुल 4481 रुपये जमा !!

अचीवर गारमेन्ट्स (बी-135 ओखला फेज-1, दिल्ली स्थित) फैक्ट्री मजदूर ने दिल्ली में द्वारका स्थित भविष्य निधि कार्यालय में फण्ड के पैसे निकालने का फार्म जमा किया। पी एफ कार्यालय से सन्देश : अधिकारी का हस्ताक्षर मेल नहीं खा रहा। रिश्वत में 3000 रुपये दिये तब वही दस्तखत मेल खा गया।

पी-2 सैक्टर-5, आई एम टी मानेसर स्थित **रॉकलैण्ड अस्पताल** ने 150 हाउस कीपिंग, जनरल ड्युटी असिस्टेन्ट, कैन्टीन वरकर ठेकेदार कम्पनी ए के मैनेजमेन्ट के जरिये रखे थे। सब मजदूरों की 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट थी और साप्ताहिक अवकाश नहीं था। ई एस आई तथा पी एफ राशि काट कर प्रतिदिन 12 घण्टे पर 30-31 दिन के 10 हजार रुपये देते थे। इधर पहली अक्टूबर से ए के मैनेजमेन्ट का ठेका समाप्त कर रॉकलैण्ड अस्पताल ने नई ठेकेदार कम्पनी को वरकर सप्लाई का ठेका दे दिया है। ठेकेदार कम्पनी बदल गई पर मजदूर वही हैं। डेढ सौ वरकरों की लगभग दो वर्ष की पी एफ राशि पुरानी ठेकेदार कम्पनी ने जमा नहीं की है और पूछने पर कहते हैं कि रॉकलैण्ड अस्पताल उनके चैक क्लीयर नहीं कर रहा।

ई एस आई अस्पताल (सैक्टर-3 आई एम टी मानेसर) में ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे 45 हाउस कीपिंग के वरकरों की तनखा से पी एफ राशि काटते हैं पर फण्ड नम्बर नहीं बताते। नौकरी छोड़ने पर फण्ड के पैसे निकालने का फार्म नहीं भरते।

दिल्ली सरकार द्वारा 1 अक्टूबर 2016 से निर्धारित न्यूनतम वेतन :

अकुशल श्रमिक 9724 रुपये मासिक (8 घण्टे के 374 रुपये);
अर्ध-कुशल श्रमिक 10,764 रुपये मासिक (8 घण्टे के 414 रुपये);
कुशल श्रमिक 11,830 रुपये मासिक (8 घण्टे के 455 रुपये)।

हरियाणा सरकार द्वारा 1 जुलाई 2016 से निर्धारित न्यूनतम वेतन :

अकुशल श्रमिक 8070 रुपये मासिक (8 घण्टे के 310 रुपये)
कुशल ब 9810 रुपये मासिक (8 घण्टे के 377 रुपये)
उच्च कुशल श्रमिक 10,300 रुपये मासिक (8 घण्टे के 396 रुपये)

1 जुलाई से देय डी. ए. के बारे में हरियाणा सरकार के श्रम आयुक्त का चण्डीगढ से पत्र ही डिस्पैच 21 अक्टूबर को किया गया। और, हरियाणा सरकार के श्रम विभाग की इन्टरनेट साइट पर तो यह सूचना नवम्बर-आरम्भ तक नहीं डाली गई थी। चार महीनों की महँगाई भत्ते की बकाया राशि 376 से 484 रुपये है।

कुछ इमेल पते

मुख्य मन्त्री, हरियाणा < cm@hry.nic.in>
श्रम आयुक्त, हरियाणा < labour@hry.nic.in>
मुख्य मन्त्री, दिल्ली < cmdelhi@nic.in>
श्रम विभाग दिल्ली < labjlc2.delhi@nic.in >
ई एस आई महानिदेशक < dir-gen@esic.nic.in >
केन्द्रीय भविष्यनिधि आयुक्त < cpfc@epfindia.gov.in >
चीफ विजिलैन्स पी एफ < cvo@epfindia.gov.in >

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए रौनिजा प्रिन्टर्स फरीदाबाद से मुद्रित किया।
RN 42233 पोस्टल रजिस्ट्रेशन L/HR/FBD/73/15-17
सौरभ लेजर टाइपसैटर्स, बी–551 नेहरु ग्राउंड, फरीदाबाद द्वारा टाइपसैट।